कह देना चाहता हूं कि सरकार के इरादों पर आप विश्वास करें, सहयोग करें तभी हम लोग इस काम को पूरा कर सकेंगे । मैं अब सदन से निवेदन करता हूं कि इस बिल को पारित किया जाए ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): The question is:

'That the Bill |to provide for the establishment of a Board for the planning and integrated implementation of measures for the control of floods and bank erosion in the Brahmaputra Valley and for matters connected (therewith, be taken into consideration."

The motion was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM IiAL YADAV): We sha' now take up clause by clause consideration of the Bill.

Clauses 2 *and* 3 *were (Added to the Bill.*

Clause 4—*Establishment and incorporation of the Brahmaputra* Board

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): There is one amendment to clause No. 4. Are you moving it Shri Kesava Rao?

SHRI V. C. KESAVA RAO (Andhra Pradesh): Yes. Why not? I move:

3. "That at page 3, after line, 7, the following be *inserted,* namely:—

'(f) three members of Parliament of whom two shall be elected by the Lok Sabha from amongst the members of the Lok Sabha and one by the Rajya Sabha from amongsjt tts members.'

Sir, as regards clause 4 of the Bill, I want to say that on every statutory Board, Parliament is generally represented. I do not know why on this Brahmaputra Board, Parliament has not been given a place. My amendment is very simple, as will be seen above. I do nott know why the Minister has excluded this important thing. He will have to accept it because on every Board the Members of Parliament are represented, both the Houses of Parliament. This is a very simple thing. I expect that the Minister will accept my amendment.

The question *was proposed.*

श्री भानु प्रताप सिंह : मुझे यह स्वीकार नहीं है, इसको स्वीकार करना कठिन है । आपसे प्रार्थना है कि इसको आप वापस ले लें ।

श्रीमती सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : जरा सी बात भी आपको स्वीकार करना कठिन है । कमाल है ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI (SHYAM LAL YADAV): Are you willing to withdraw?

SHRI V. C. KESAVA RAO: Sir, after some time he has to give representation to Members of Parliament on this Board. In*ead of bringing forward an amendment then, he can straightaway accept my amendment.

श्री भानु प्रताप सिंह : देखिए, कठिनाई यह है कि यह बोर्ड जो कांस्टीट्यूट हो रहा है वह केवल टेक्निकल परसोनेल का हो रहा है, एक्सपर्टस का हो रहा है । अभी इस स्टेज पर कोई इसमें आवश्यकता नहीं है कि टेक्निकल लोगों को भी रखा जाय । आगे चलकर जब आवश्यकता होगी तो टेक्निकल लोगों को रखा जायगा ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): Are you withdrawing it?

SHRI V. C. KESAVA RAO: Sir, I do not press it, and I withdraw it.

•*Amendment* (No. 3) tyas, *by leave, withdrawn.*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): The question is:

[Shri Shyam Lai Yadav]

"Th«jt clause 4 stand part of the Bill."

The motion was adopted. Clause 4 *was added to the Bill.*

Clauses 5 to 30 *were added to the Bill*

Clause 1—*Short title and commencement*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): There is one amendment to clause 1. Yes, Mr. Minister.

SHRI BHANU PRATAP SINGH: Sir, I move:

2. 'That at page 1, line 5, *jor* the figure '1978' the figure '1979* be *substituted.'*[9]

The question was put and the motion was adopted

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): The question is:

That clause 1. as amended, stand part of the Bill."

The motion was adopted.

Clause 1, *as amended, was added to the Bill.*

Enacting Formula

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): There is one amendment to the Enacting Formula. Yes, Mr. Minister.

SHRI BHANU PRATAP SINGH: Sir, I move:

1. "That at page 1, line 1, for the word 'Twenty-ninth' the word 'Thirtieth' be substituted/'

The question was put and the motion was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): The question Is:

"That the Enacting Formula, as amended, stand par* of the Bill."

The *motion was* adopted.

The Enacting Formula> *as amended, was added to the Bill. The Title was* added to *the Bill.*

SHRI BHANU PRATAP SINGH: Sir, I move:

"That the Bill, as amended, be passed."

The *question was put and the motion was adopted*

HALF-AN-HOUR DISCUSSION ON POINTS ARISING OUT OF ANSWER TO UNSTARRED QUESTION 15 GIVEN ON 20TH FEBRUARY, 1979, RE RAID ON FARM HOUSE OF FORMER PRIME MINISTER IN CHHATARPUR

श्री प्रकाश महरोत्रा (उत्तर प्रदेश) : आदरणीय उपसभाध्यक्ष जी, जिस प्रश्न को लेकर यह हाफ-एन-आवर डिस्कशन शुरू हुआ है, अगर उसका उत्तर आप देखें तो उससे एक चीज बहुत स्पष्ट है और वह यह है कि श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपने मकान पर कुछ नहीं छुपाया था। किन्तु यह जो सत्य के पुजारी बैठे हुए हैं जिन्होंने गांधी की समाधि पर शपथ ली थी कि वे तथ्यों और सत्य बात को छुपा रहे हैं। यह चीज बहुत स्पष्ट है, जो उत्तर आया है, उस उत्तर से श्रीमन्, अगर आप फैक्टस को देखें, तो आप यह देखेंगे कि मनीपुर सरकार ने जो एक त्रिखा कमिशन बनाया उसके सामने छतरपुर गांव के प्रधान का बयान आया। वह बयान जिसका कोई रेलेवेन्स उस कमिशन के सामने नहीं था, उस बयान को दिलवा कर उसको आधार बना कर और श्रीमती गांधी के फार्म हाउस पर रेड किया गया। आधार क्या था? बयान था ग्राम प्रधान का। कहां पर? मनीपुर के कमिशन के सामने जिससे इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। इससे यह साफ है कि यह बयान जान-बूझ कर उससे दिलवाया गया।

श्रीमन्, दूसरी बात यह है कि मैं

यह जानना चाहता हूं कि जो यह गांव प्रधान ने बयान दिया, उस बयान के पहले क्या कमीशन के सामने उन्होंने कोई एफिडेविट दिया है ? अगर कोई एफिडेविट दिया है, तो श्रीमन् मैं निवेदन करता हूं कि वह एफिडेविट पढ कर यहां सुनाया जाए, अथवा सभा के पटल पर रख दिया जाए ।

तीसरी बात यह है कि इस प्रधान का जो एविडेंन्स है, उसको लेते हुए कोई केस समरी तो बनाई गई होगी । तो मैं यह जानना चाहता हूं कि वह केस समरी क्या है, कब पेश हुई और वह किसके सामने पेश हुई है ?

श्रीमन्, मैं यह जानना चाहता हूं कि वह जो समरी बनी है .....

श्रीमती सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : मिनिस्टर साहब तो सुन नहीं रहे हैं, जवाब क्या देंगे ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जुल्फिकारउल्ला) : आप फरमाइये तो, मैं सब सुन रहा हूं ।

श्री प्रकाश महरोत्रा : चलिये, चौधरी साहब भी आ गये । बड़ा अच्छा हुआ ।

श्रीमती सरोज खापर्डे : चौधरी साहब की तो हम प्रतीक्षा भी कर रहे थे ।

श्री प्रकाश महरोत्रा : दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि ....

श्रीमती सरोज खापर्डे : अपनी बात दुबारा कह दीजिये ।

श्री प्रकाश महरोत्रा : अगर चौधरी साहब कहें तो कह दूं । श्रीमन्, मैं फैक्ट्स की बात कर रहा था । जो उत्तर मिला है प्रश्न का, उसमें जो फैक्ट्स दिये गये हैं, उससे यह पता लगता है कि छतरपुर के गांव प्रधान का एक बयान विखा कमिशन जो जनता पुर सरकार ने बनाया था, उसके सामने दिया गया और उसके आधार पर यह सर्च की गई है । मैं जानना चाहता था कि वह बयान जो उस कमीशन के सामने दिया गया उसकी इस सर्च मे रिलेवेंस क्या थी ? पहली बात तो यह है । दूसरी बात यह है कि क्या वह जो बयान दिया गया उसके पहले कमीशन के सामने उस प्रधान ने कोई एफिडेविट दिया है ? अगर वह एफिडेविट दिया है तो मैं निवेदन करता हूं कि वह एफिडेविट यहां पढ़ कर सुनाया जाए अथवा सभा-पटल पर वह एफिडेविट रखा जाए, वह एफिडेविट क्या है जिसकी बेसिस पर सर्च आर्डर हुआ है-- जिसने जो बयान दिया था । इस सम्बन्ध में दूसरी बात मान्यवर, यह है कि जो प्रधान का इविडेंस हुआ है उस कमीशन के सामने, उस को लेते हुए कोई केस समरी बनायी गयी होगी तो वह जो केस समरी है उस को भी कृपा करके यहां सदन में पढ़ाया जाए । अगर उसे देखेंगे मान्यवर, तो उससे साफ जाहिर है कि उस प्रधान को लिखा पढ़ाकर, उसे प्रलोभन देकर उससे बयान इसलिए दिलाया गया कि उसके आधार पर वह सर्च .....

उप प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री चरण सिंह) : किस आधार पर कह रहे हैं ?

श्री प्रकाश महरोत्रा : जिस आधार पर उत्तर दिया है उसी उत्तर की पृष्ठभूमि पर । जरा समझने की कोशिश कीजिए ।

मान्यवर, दूसरी बात अपने उत्तर में यह भी कहा है कि एक और जगह इस तरीके की सूचना मिली थी । मैं यह भी जानता हूं कि आप कानून की शरण लेंगे और यह कहेंगे कि हम डिस्क्लोज नहीं करते हैं कि वह हमारा आधार क्या था । इस सम्बन्ध में मैं यह जानना चाहता हूं कि उस व्यक्ति ने जो बयान में कहा है कि दूसरे सोर्स से हमको सूचना मिली है, तो उस व्यक्ति ने कब यह सूचना दी आपको और क्या सूचना दी और किस को यह सूचना दी, और यह जो सूचना दिया, वह जो प्रधान का बयान है, उसके

[श्री प्रकाश महरोत्रा]

पहले क्या यह सूचना आप को मिली या यह सूचना उसके बाद आपको मिली ? मंत्री महोदय के पास उस का कोई रिकार्ड होगा, अगर वह रिकार्ड है तो मान्यवर, उस को सभा-पटल पर रखा जाए और उसमें अगर आपको कोई आपत्ति है तो आप सभापति जी को उस रिकार्ड को दिखला दें । चौथी बात, एक विशेष आपसे निवेदन करना है । मैं आपको यहीं से नहीं जानता हूं, उत्तर प्रदेश से जानता हूं, और यह भी जानता हूं कि आप उन व्यक्तियों में से हैं मान्यवर, कि जिनके खिलाफ देश में कोई एक आदमी यह नहीं कह सकता कि आप बेईमान हैं। आप न्यायप्रिय हैं, मान्यवर। आपने बहुत सी बातें लोक सभा में अभी कही थीं और मुझे पुरा विश्वास है कि उन बातों को आप भूले नहीं हैं । मान्यवर, यह कौनसा स्टैंडर्ड है कि एक ग्राम प्रधान रिपोर्ट के ऊपर तो सर्च करा दी गई और एक साल से इस सदन में 100 एम०पीज़ रोज़ इस बात को कह रहे हैं कि कांति देसाई ने लाखों करोड़ों रुपया कमाया है, आप उसकी इंक्वायरी कराइये । यह तो स्वाल आपने स्वयं किया है । मैं आपका ध्यान इस तरफ दिला रहा हूं कि आपने कहा है Interruptions) तो मान्यवर, मेरा आपसे यह निवेदन है कि यह कौन-सा डबल स्टैंडर्ड राजनीति में आप चला रहे हैं कि ग्राम प्रधान के कहने पर एक जगह सर्च हो रही है और इतने एम०पीज़ जिस विषय को रोज उठा रहे हैं, उसमें आपके प्रधान मंत्री जी मौन बैठे हैं ? मान्यवर, आप कहते हैं, रिपोर्ट पर आप ऐक्शन लेते हैं। तो मैं आपके सामने यह रिपोर्ट कर रहा हूं . . *Interruptions*) मान्यवर, आपने ग्राम प्रधान की रिपोर्ट पर सर्च कराई? अब मैं यह रिपोर्ट कर रहा हूं कि गुजरात में खसौल एक जगह है अहमदाबाद के नजदीक । उस जगह पर कांति देसाई ने अभी 5 या 6 लाख रुपए का एक नया मकान बनाया है और उस मकान के गृह प्रवेश के वक्त प्रधान मंत्री जी स्वयं वहां पर गए थे और उस मकान में एक अंडरग्राउण्ड वाल्ट है जिसमें लाखों रुपये की सम्पत्ति उन्होंने रखी है । तो मैं यह मांग करता हूं कि वहां पर सर्च कराई जाए, उसका इंवेस्टिगेशन किया जाए । और मैं जानता हूं और मैं ऐसा मानता हूं कि आप निष्पक्ष आदमी हैं । ग्राम प्रधान के कहने पर अगर आपने यह किया है तो आप यह इंक्वायरी करेंगे और सर्च करायेंगे मेरे कहने पर ।

श्रीमती प्रतिभा सिंह (बिहार) : तो फाइनेंस मिनिस्ट्री का क्या होगा अगर इंक्वायरी करायेंगे तो और सर्च करायेंगे तो ।

(*Interruption*)

SHRI YOGENDRA MAKWANA (Gujarat): We want to test the honesty and integrity of Chaudhry Charan Singh. (*Interruptions*).

श्री प्रकाश महरोत्रा : मान्यवर, एक झूठ को छिपाने के लिये इस देश में सौ झूठ बोले जा रहे हैं । आप देखें कि यह कहा गया कि एक गाड़ी आयी जब पुलिस पार्टी वहां थी और वह एक ट्रंक ले कर भाग गयी । उस में लाखों रुपया था । ऐसा लगता है कि जो फिल्म आज कल यह देखते हैं जिस में यह होता है कि विलियन एक सूटकेस में तमाम पैसा ले कर भागा जा रहा है वही नाटक यहां दिखलाने का प्रयास किया गया है ।

(*Interruption*)

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : कृपया शान्त रहें ।

श्री प्रकाश महरोत्रा : मान्यवर, वहां सर्च के बाद एक पंचनामा बना था और उस पंचनामे पर दो विटनेसेज के दस्तखत थे । एक विटनेस हैं श्री जगत सिंह जिन्होंने उस पंचनामे पर दस्तखत किये थे और अगर चौधरी चरण सिंह साहब ने न देखा हो तो वे इस अखबार को पढ़ लें, दो कालम का अ

उन का स्टेटमेंट निकला है जिस में उन्होंने यह बतलाया है कि यह सब आफ्टर थाट है और सब आई वाश है । वहां न कोई गाड़ी आयी है न कोई ट्रंक गया । पंचनामे पर जिन्होंने दस्तखत किये हैं उन का बयान अखबार में आया है और आप कहते हैं कि कोई गाड़ी आयी थी और वह एक ट्रंक ले कर भाग गयी । दिसम्बर के महीने से अखबार में आप ने पढ़ा होगा सर्वेलेंस हो रही है उस मकान की, उस के इर्द गिर्द, और यह कहते हैं कि वहां खुदाई की जा रही थी। प्राइमा-फेसी केस सर्वे के बाद हुआ और उस के बाद हम ने वहां पर रेड कराया । इतने दिन से पुलिस चारो तरफ से मकान घेरे थी । उस के बाद रेड कराया गया और उस के बाद उन के सामने गाड़ी में वह ट्रंक ले कर भाग गये और पुलिस वाले देखते रहे । चौधरी साहब ने यह बात शायद सही कही थी कि यह पूरी सरकार इन्कांपिटेंट है और नपुंसक है । यह बात यहां पर सही उतरेती है ।

Interruptions) हां, हां, इंपोटेंट है ।

दूसरी बात, मान्यवर, कहा जाता है कि वहां खोदा जा रहा था इसलिये यह शंका उत्पन्न होती है । जो पार्टी वहां पर सर्च करने गयी उस ने वहां की एक एक चप्पा जमीन देखी और मेटिल डिटक्टर वहां ले कर गयी थी । वहां मैदान में न कोई जगह खुदी हुई थी और न कोई फर्श खुदा हुआ था । पुलिस की खुद की यह रिपोर्ट है कि वहां कोई इस तरह की बात नहीं पायी गयी ।

श्रीमती सरोज खापर्डे : क्या करें । आदत से लाचार हैं ।

श्री प्रकाश महरोत्रा : फिर आप कहते हैं कि ट्रंक गाड़ी में ले कर भाग गये । तो यह आप को कैसे मालूम कि उस ट्रंक में श्रीमती इन्दिरा गांधी का पैसा था । कोई गाड़ी सड़क से नहीं जा रही थी । और जब इतना पता लगा कि इन्दिरा गांधी का पैसा था उसमें तो आप के लोग कैसे निकम्मे थे कि उस का पीछा नहीं किया गया । उस का पता अभी तक नहीं लगाया । तो मैं जानना चाहता हूं कि अगर वह गाड़ी गयी तो उस का नम्बर क्या था और उस गाड़ी में कौन कौन लोग थे । आप इस के बारे में कुछ प्रकाश डालें ।

(*Interruptions*) मान्यवर, यह कहते हैं कि खोदा गया तो मै जानना चाहता हूं कौन व्यक्ति उसको खोद रहा था आपने इसका पता लगाने की कोशिश की ? आपने उस आदमी को पकड़ा जो खोद रहा था या श्रीमती इन्दिरा गांधी खोद रही थी । अगर कोई व्यक्ति खोद रहा था तो आप बताइये कि कौन व्यक्ति खोद रहा था और उसको आपने पकड़ा या नहीं पकड़ा और उसका कोई बयान आपने लिया या नहीं ? फिर सबसे बड़ी बात यह है कि आपने सर्च मीमो बनाया होगा तो उसमें कहीं इसका जिक्र किया गया है कि गाड़ी इस तरह की आई और वह ट्रंक लेकर भाग गई ? यह सब लगता है कि एकदम झूठा केस है।

आप यह कहते हैं कि सरकार से इसका कोई संबंध नहीं है यह तो डायरेक्टर आफ इन्वेस्टीगेशन ने बना दिया । लगता है बड़ी लचर सरकार है । पहली बात तो यह है कि डायरेक्टर आफ इन्वेस्टीगेशन की इतनी हैसियत है, उसकी इतनी हिम्मत है कि वह बिना सरकार से पूछे श्रीमती इन्दिरा गांधी के फार्म पर रेड डाले, बिना मिनिस्टर की स्वीकृति के रेड डाले । आपके अफसर गलत काम करते रहे

[श्री प्रकाश मह रोत्रा]

और आप चुप बैठे रहे यह आपकी कैसी सरकार है । इससे जाहिर होता है कि आपके अफसर कैसे हैं और आप कैसे हैं। Interruptions) असलियत क्या है यह आप बतायें । बहुत से हमारे माननीय सदस्य उस वक्त जिस वक्त रेड हो रही थी, उपस्थित थे । जो अफसर वहां मौजूद थे उनसे सदस्यों ने पूछा किस के कहने पर तुम यह रेड कर रहे हो तो उन्होंने कहा कि हम क्या करें हम तो छोटे लोग हैं । उन्होने गाली का भी प्रयोग किया । मैं इसको कहना असभ्य समझता हूं इसलिये नहीं कह रहा था । उन्होंने कहा कि इस कम्बखत सरकार ने, उन्होंने डिपार्टमेंट का भी नाम लिया, कहा है, उनके नोटिस पर ही हम लोगों को यह करना पड़ रहा है। आप कहते हैं कि हमें कोई जानकारी इस संबंध में नहीं है।

मान्यवर, एक बात और है । इन्वेस्टीगेशन किया गया है अंडर सेक्शन 132 आफ द इन्कम टैक्स एक्ट 1961 । श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपना इन्कम टैक्स रिटर्न फाइल कर रखा है । उन्होंने अपना वेल्थ टैक्स रिटर्न फाइल कर रखा है । मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि इन्कम टैक्स आफिस से इस तरह का कोई नोटिस आया है सर्च के पहले । इस संबंध में कोई सर्च मिमो है । जरूर कोई सर्च मिमो बनाया गया होगा और अगर बनाया गया है तो मैं चाहता हूं कि उसको आप यहां पढ़ कर सुनाएं ।

मान्यवर, एक बात पूरे इन्सीडेंस से साफ है और वह यह कि धर्मराज लोग यहां बैठे हुए हैं फिर भी मिथ्या राज यहां चल रहा है । इनका वास्तविकता से कोई संबंध नही है मैं बताना चाहता हूं कि जो रेड हुई है एकदम पोलिटिकल मोटिवेटिड है और पूरा यास चरित्र हनन का और चरित्र हत्या का है । श्रीमती इन्दिरा गांधी तो सीता की तरह अग्नि की परीक्षा से निकल गई है लेकिन मान्यवर, यह जो आपका नाटक है यह पब्लिक के सामने एक्सपोज हो गया है । इन सब चीजों से श्रीमती इन्दिरा गांधी की पोलिटिकल हत्या नहीं होने वाली है बल्कि आप लोगों की पोलिटिकल हत्या होने वाली है।

श्री जुल्फिकारउल्ला : सर,.....

श्री कल्प नाथ राय (उत्तर प्रदेश) : चौधरी साहब जवाब दें।

(*Interruption*)

श्री जुल्फिकारउल्ला : मैं हाजिर हूं । आप जवाब सुनिये ।

(*Interruption*)

श्री कल्प नाथ राय : जब केन्द्रीय मंत्री मौजूद हैं, वित्त मंत्री मौजूद हैं तो हम उनका जवाब सुनेंगे ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा (बिहार) : इन्होंने जो जवाब दिया है वह हम सुन चुके हैं । यह उन्हीं को दोहरायेंगे । अब क्या जवाब देंगे ।

(*Interruption*)

श्री जुल्फिकारउल्ला : जिन बातों को आपने काटा है उन्हीं बातों का जवाब दूंगा।

(*Interruptions*).

श्री कल्प नाथ राय : यह कोई तरीका नहीं है । वित्त मंत्री जवाब दें ।

(*Interruptions*)

श्री जुल्फिकारउल्ला : आपने सारा जोर इस बात पर दिया है ।

Interruptions)

श्री कल्प नाथ राय : श्रीमन् वित्त मंत्री यहां पर मौजूद हैं । हमें जो तकलीफ है वह चौधरी चरण सिंह के बयान पर ही है । आपने जवाब दे दिया ।

Interruptions)

श्रीमन्, मैं जानना चाहता हूं कि जब वित्त मंत्री यहां पर मौजूद हैं तो उनको ही जवाब देना चाहिए। हम उनकी ही बात सुनने के

लिए आए हुए हैं। हम दूसरे मिनिस्टर की बात सुनने के लिए नहीं आए हैं...

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव): अब आप अपना स्थान ग्रहण कीजिये।

श्री जुल्फिकारउल्ला : क्या ऑनरेबल मेम्बर भी इस क्वेश्चन पर सवाल करना चाहते हैं ?

श्री कल्पनाथ राय : श्रीमन् इनको डायरेक्टिव दीजिये कि वित्त मंत्री इसका जवाब दें....

(Interruptions)

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव): आप अब स्थान ग्रहण कीजिये।

श्री कल्याण राय : श्रीमन् आप इनको......

Interruptions)

SHRI SADASIV BAGAITKAR (Maharashtra): I am on a point of order. Hon'ble Members are raising objection that the Minister of State should not reply. May I know under what Rule the hon'ble Members are raising objection? I want your ruling. *(Interruptions)* You cannot dictate. I am on a point of order. Please enlighten me under what Rule they are objecting. There is no such rule. How can they force...

श्री कल्पनाथ राय : श्रीमन आप वित्त मंत्री को डायरेक्टिव दीजिये कि वे इन बातों का जवाब दें।

SHRI DEVENDRA NATH DWI-VEDI (Uttar Pradesh): Sir, this morning there was a Calling Attention motion before (the House. - There were matters over which certain hon' Ible Members were feeling exercised... *(Interruptions)* will you please let me make my point? The House was s» much exercised that we demanded that the Minister of Home, Mr. H. M. Patel, who was preoccupied in fthe other House should come and answer the queries of the Members. The Leader of the House. Mr. Advani, in his wisdom came and appreciated that the matter was of such a serious nature that if Members did not feel satisfied by /the replies of the Minister of State he would refer it to the Home Minister. It was the Leader of the House who suggested that the discussion be postponed till the Home Minister came and answered. Now, the matter under consideration is very serious. I should have thought that the hon'ble first Deputy Prime Minister and Finance Minister in his wisdom oughjt to have got up and replied. I think courtesy, seriousness and a sense of responsibility on his part demanded that he ought to have got up and replied. Therefore, I would request the Chair to request the Deputy Prime Minister himself to reply and not allow the Minister of State who is not a very competent person to reply.

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Sir, I am on a point of order. Sir, the questions and the observjfcions made by the mover of the half-an-hour discussion relate largely to the statement which has been made by the hon'ble Deputy Prime Minister and Finance Minister on the floor of the other House. Therefore, in all propriety and fitness of things when the Finance Minister is present here it is better for him to reply to the debate. I would not mind a junior Minister replying but the question relates largely to his observation. It is not the observation of Mr. Zulfiquarullah. It is the observation of Mr. Charan Singh that there was a trunk. It is the observation cf Mr. Charan Singh that somebody was seen running away with the trunk...

SHRI ZULFIQARULLAH: That is not correct.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Mr. Zulfiqarullah, I am on my legs.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHY AM LAL YADAV): Let him conclude.

6 P.M.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: The points which the hon. Member has referred to specifically relate to certain observations of Mr. Charan Singh not in the capacity of Minister but in his capacity as an individual Member on the floor of the other House. Therefore, he should be satisfied.

(Interruptions)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LABOUR AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. RAM KRIPAL SINGHA): Sir, with your permission I would like to draw your attention. It is not correct to say that this half-an-hour discussion is to discuss what the hon. Finance Minister said in the other House. This discussion arose out of the answer given to Unstarred Question No. 15 on the 20th February in this House. This does not arise out of anything raised in the other House by the hon. Finance Minister. Secondly, Sir, I would request the hon. Members not to raise this point again and again in this House whenever a Minister of State starts answering any question. This has of late become, I think, customary on the part of the hon. Members.

(Interruptions)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: It is unfair.

DR. RAM KRIPAL SINHA: I appeal, Sir . . . (Interruptions).

SHRI PRANAB MUKHERJEE: We take serious exception to this observation. (Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHY AM LAL YADAV): Order, please.

DR. RAM KRIPAL SINHA: ON the unstarred question....

(Interruptions)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: We have not raised any objection. It is not proper to say like that.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): Sir,.. .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): Only on this point. Be very brief. (Interruptions) .

SHRI RAMANAND YADAV (Bihar): Sir, ... (Interruptions).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): I have called hirn.

श्री रामानन्द यादव : उपसभाध्यक्ष जी, मैं इसी विषय पर कुछ कहना चाहता हूं । उपसभाध्यक्ष जी, यहां पर उप प्रधानमंत्री और फाइनेंस मिनिस्टर इस समय उपस्थित हैं और इस समय जो विषय यहां पर है वह इस देश की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस (आई) की अध्यक्षा के साथ सम्बन्ध रखता है, भूतपूर्व प्रधानमंत्री के साथ इस विषय का सम्बन्ध है, जिसने 11 वर्षों तक इस देश पर शासन किया । यहां पर उप प्रधान मंत्री श्री चरण सिंह उपस्थित हैं। उनके विभाग के साथ यह मैटर संबंध रखता है । इसलिये हम लोग चाहेंगे कि इसका जवाब खुद उस विभाग के मंत्री और जनता सरकार के जो उप प्रधानमंत्री हैं वही दें । इससे घटिया कोई मंत्री जवाब देगा तो हम लोग सुनने को तैयार नहीं हैं। *(Interruptions)*

6 P.M.

SHRI SADASIV BAGAITKAR: Sir, what is this? I am on a point of order. Is it a parliamentary word?

(Interruptions) SHRI BHANU PRATAP SINGH: Sir.... *(Interruptions).*

SHRI ANANT PRASAD SHARMA: He is a Minister.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV).; On a point of order a Minister also can speak.

SHRI ANANT PRASAD SHARMA: On a point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): When one point of order is there, another point of order cannot be raised. *(Interruptions)*

SHRI ANANT PRASAD SHARMA: I am not going to make . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): While the House is considering one point of order, another point of order cannot he raised. Let me dispose of it first. He is a Minister; he has a right.

SHRI BHANU PRATAP SINGH: I am a Member of this House also.

SHRI ANANT PRASAD SHARMA: That is why I am raising a point of order. Please give a ruling. The Minister concerned is here. The Deputy Prime Minister is here. If you are allowing him, please give your ruling that any Minister can speak on this subject.

SHRI BHANU PRATAP SINGH: On this limited point . . . *(Inter.* ruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): On this limited point of order let me hear the Miniver. Then I will hear Mr. Kalpnath Rai. Here is Mr. Bhanu Pratap Singh also.

AN HON. MEMBER: He is a Member of this House. *(Interruptions)* .

श्री भानु प्रताप सिंह : मैं आपके द्वारा माननीय सदस्यों को यह भी बतलाना हूं कि चाहता मैं इस सदन का सदस्य भी हूं और सदस्य की हैसियत से बोलने का मुझे अधिकार है । मैं दो तीन बुनियादी प्रश्न आपके सामने उठाना चाहता हूं । पहला तो यह कि जब कोई प्वाइंट आफ आर्डर उठाए तो उसको यह बतलाना पड़ेगा कि कौन से नियम का भंग हुआ है । इस प्रकार से उठ कर प्वाइंट आफ आर्डर पर जो चाहे सो कहें ऐसा तो नहीं होना चाहिए । यह होना चाहिए कि कहां पर नियमावली का भंग हो रहा है, उसका उल्लेख करना चाहिए । दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि आप कृपा कर के अपनी रूलिंग दीजिए कि क्या मिनिस्टर आफ स्टेट सरकार की तरफ से उत्तर दे सकता है या नहीं दे सकता है ? क्या यह संयुक्त जिम्मेदारी की जो परम्परा है उसको यहां माना जाएगा या नहीं माना जाएगा ? मैं इसलिए कहना चाहता हूं कि सुबह भी यह प्रश्न उठा और काफी हंगामा हुआ और अभी भी माननीय सदस्य कह रहे हैं । आप यह रूलिंग दें कि इसको माना जाएगा या नहीं । अगर आप निर्णय कर लें कि मिनिस्टर आफ स्टेट को जवाब देने का नहीं है तो यह भी मालूम हो जाना चाहिए । जब कोई प्रश्न उठता है और मिनिस्टर आफ स्टेट जवाब देने के लिए खड़ा होता है तो हंगामा मच जाता है कि कैबिनेट मिनिस्टर को बुलाया जाए । तो मैं यह कहना चाहता हूं कि इस तरह का व्यवहार करना कि कैबिनेट मिनिस्टर न भी हो तो भी उसको जवाब देना होगा, यह ठीक नहीं है । या तो आप निर्णय कर दें और कह दें कि मिनिस्टर आफ स्टेट को जवाब देने का नहीं है । मैं दूसरी बात यह निवेदन करना चाहता हूं कि प्रश्नों की गम्भीरता को देखते हुए कैबिनेट मिनिस्टर को बुलाने की बात कही जाती है । इस प्रकार से यह भी निर्धारित हो जाए कि कौन से प्रश्न ऐसे हैं, कौन से सब्जैक्ट ऐसे हैं जिन पर मिनिस्टर आफ स्टेट बोल सकते हैं और कौन से ऐसे हैं जिन पर नहीं बोल सकते हैं । यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए । सुबह का हवाला दिया गया । मैं समझता हूं कि सुबह भी गलती हुई लेकिन इस कारण से . . .

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: You are a new-comer.

श्री भानु प्रताप सिंह : न्यू कमर का सवाल नहीं है । न्यू कमर के मायने यह नहीं हैं कि आप अनियमिततायें बरते चले जाएं

[श्री भानु प्रताप सिंह]

और सदन को चलाने की जो परम्परा है उसको भंग कर दिया जाए । मैं इस बात पर आपकी स्पष्ट रूलिंग चाहता हूं । स्टेट मिनिस्टर को प्रश्नों का उत्तर देने का है या नहीं, अगर आप कहते हैं कि गम्भीरता के अनुसार उसको आना चाहिए तो आप गम्भीरता कैसे समझेंगे, किस विषय पर कैबिनेट के मंत्री को आना चाहिए, इनका स्पष्टीकरण मैं आपसे चाहूंगा ।

SHRI GIAN CHAND TOTU (Himachal Pradesh): The hon. Minister has said that while raising a point of order one should quote the Rule Number. May I know under which Rule the hon. Minister was speaking? *(Interruptions).*

SHRI SHRIKANT VERMA (Ma-dhya Pradesh): Sir, it is very important. In the Lok Sabha . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHY AM LAL Y/ADAV): Mr. Verma, pleased take your seat. You can speak after Mr Kalpnath Rai- One by one you can speak.

श्री कल्पनाथ राय : उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी अभी भानु प्रताप सिंह जी ने रूल्ज की बात की है । पूरा सदन जानता है कि रूल्ज के अलावा कन्वेंशंस भी होती हैं । इसी सदन में जब किसी प्रश्न पर सदन ने मांग की कि कैबिनेट मिनिस्टर ही जवाब देंगे तो ऐसा हुआ । चौधरी चरण सिंह के बयान के बाद ही इस तरह की स्थिति हुई कि हम लोगों ने हाफ-एन-आवर डिसकशन मांगी और जब कि वे यहां पर मौजूद हैं वे ही यह बतायें कि उन्होंने बयान दिया या नहीं दिया, यदि दिया तो क्या बयान दिया ? इसलिए हम लोग यह जानना चाहते हैं । चौधरी चरण सिंह के वक्तव्य के बाद ही हम लोगों ने इस बात को उठाया और हमें इस बात का गहरा दुःख है कि उन्होंने बयान दिया है या नहीं दिया है उनसे ही इसका जवाब मिलेगा । यदि नहीं दिया है तो भी हम उन्हीं से जानना चाहते हैं । वे सदन में मौजूद हैं और हम चाहते हैं कि स्वयं वित्त मंत्री जवाब दें । हम दूसरे मंत्री की बात नहीं सुनना चाहते जब कि वे यहां पर मौजूद हैं। आपके सामने स्टेट मिनिस्टर श्री राम कृपाल मौजूद हैं, जब हम लोगों ने मांग की कि प्रधान मंत्री की बात हम सुनेंगे तो प्रधान मंत्री को लेकर आए और प्रधान मंत्री ने हमको जवाब दिया । एक परम्परा को तोड़ना यह अच्छी बात नहीं होगी । यह कनवेंशन है । उपसभाध्यक्ष जी, आप अध्यक्ष जी की कुर्सी पर बैठे हैं और उप-प्रधान मंत्री आपकी तरफ इशारा कर रहे हैं, यह कोई बात है . . .

(Interruptions)

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : हमारी तरफ कोई इशारा नहीं कर रहे हैं ।

श्री श्रीकांत वर्मा : श्रीमन्, मैं एक प्वाइंट आफ आर्डर उठाना चाहता हूं

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव): अब प्वाइंट आफ आर्डर नहीं होगा । अगर इसी प्वाइंट आफ आर्डर पर कुछ कहना है तो ठीक है नहीं तो कुछ नहीं ।

श्री श्रीकांत वर्मा : यही प्वाइंट कह रहा हूं । इस संसद् के दो सदन हैं, एक लोक सभा और एक राज्य सभा है । लोक सभा में जब यह सवाल आया. . .

एक माननीय सदस्य : लोक सभा की बात क्यों उठाते हैं . . .

श्री श्रीकांत वर्मा : जब इसी तरह का सवाल आया तब वहां उप प्रधान मंत्री और वित्त मंत्री महोदय चौधरी चरण सिंह ने इस प्रश्न पर प्रकाश डाला और कुछ नये तथ्य प्रकाशित किये कि एक आदमी सूटकेस लिये जाता हुआ दिखाई पड़ा । अतः यह इस सदन का अपमान होगा कि चौधरी चरण सिंह, उप प्रधान मंत्री के उपस्थित होते हुए, उनसे जूनियर मिनिस्टर उस सवाल पर प्रकाश डाले । यदि ऐसा होना था

तो वहां भी यही होना था। अन्यथा यह इस सदन की अवमानना होगी।

श्री जुल्फिकारउल्ला : यह आधे घंटे का डिसकशन जो बुलाया गया है वह एक सवाल 15 नम्बर अनस्टार्ड के सिलसिले में बुलाया गया है। उसका जवाब मैंने दिया था 20 तारीख को ..... *(Interruptions)* तो उसी के सिलसिले में क्योंकि इसके अलावा किसी और चीज पर डिसकशन नहीं हो रहा है इसलिए मुझे यह अर्ज करना है और फिर डाइरेक्ट टैक्सेज को डाइरेक्ट में ही देख रहा हूं और यह भी जाहिर है .... *(Interruptions)* इसलिए मैं समझता हूं कि आपको मानना पड़ेगा कि मुझे हक हासिल है कि मैं इसका जवाब दूं।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्यामलाल यादव) : माननीय सदस्य कृपया स्थान ग्रहण करें। माननीय सदस्यों को यह अधिकार प्राप्त है कि वे अपने प्रश्नों पर या विवादग्रस्त प्रश्नों पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगें और यह बात भी स्पष्ट है कि अध्यक्ष इस बात पर इन्सिस्ट नहीं कर सकता कि कौन मंत्री जवाब दे। जो संबंधित मंत्री होता है वह जवाब देता है। लेकिन जब उप प्रधान मंत्री यहां मौजूद हैं और सदन की राय को देख रहे हैं तो मैं आशा करता हूं कि इसको ध्यान में रखते हुए सरकार मुनासिब तरीके से काम करेगी।

श्री जुल्फिकारउल्ला : मैं यह चाहता हूं कि मैं जवाब दे दूं। फिर अगर हमारे उप-प्रधान मंत्री जी चाहेंगे तो कुछ कह सकते हैं। लेकिन जवाब तो मेरा सुन लीजिए ... *(Interruptions)*

श्री कल्प नाथ राय: नहीं, नहीं ..... *(Interruptions)*

प्वाइंट आफ आर्डर है।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्यामलाल यादव) : ठीक है, अब स्थान ग्रहण करिये। अब प्वाइंट आफ आर्डर नहीं होगा। अब बात समाप्त हो गयी है।

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI; He is showing lack of respect to the Chair. Mr. Vice-Chairman, Sir, if I have understood correctly, for all practical purposes you have asked the Deputy Prime Minister to speak. He shows lack of respect to everybody except to himself. I would request with folded hands to Choudhary Saheb to please obey the Chair. Understand what the Chair has said. Please get up. Do not be obstinate as you always are.

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : आपने जो कहा है वह बिल्कुल साफ है अब उनके विवेक के ऊपर है कि वे बोलें।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : अब आप कृपया सुनिये।

श्री जुल्फिकारउल्ला : आनरेबल मेम्बर साहब ने जो भी जोर दिया है। वह इस बात पर दिया है कि गवर्नमेंट के आफिसर ने जिस रेट को अथराईज किया है वह गवर्नमेंट ने किया है इस सिलसिले में मुझे यह अर्ज करना है कि उन्होंने गालिबन इन्कम टैक्स एक्ट को सही तरीके से नहीं देखा ....

श्री कल्प नाथ राय : उन्होंने पढ़ा नहीं।

श्री जुल्फिकारउल्ला : अगर पढ़ा होता तो ऐसा नहीं कहते .... *(Interruptions)* बहरहाल एक्ट मौजूद है और एक्ट इम्पावर करता है, मैं उसे पढ़ देना चाहता हूं ... देखिए एक्ट एम्पावर करता है किसी कमिश्नर को या डाइरेक्टर आफ इन्सपेक्शन इन्वेस्टिगेशन को और उन दोनों में से कोई भी जब उसको ऐसी इनफर्मेशन मिले कि कहां पर गलत किस्म का रुपया, एकाउन्ट से आगे रुपया या कोई और सामान मौजूद है, तो उसको यह अधिकार है कि वह आथोराइजेशन अपने किसी असिस्टेंट के नाम इशू कर दे

[श्री जुल्फिकारउल्ला]

ग्रौर वह जाकर वहां की तलाशी ले सके। इस सिलसिले में यह गलतफहमी मेरे दोस्त दूर कर दें कि यह गवनमेंट ने ग्राडंर किया है। गवर्नमेंट ने यह ग्राथोराइज नहीं किया ग्रौर न गवर्नमेंट को ग्रख्तियार ही है ग्राथोराइज करने का।

SHRI YOGENDRA MAKWANA (Gujarat): Does your Commissioner act on hearsay?

श्री जुल्फिकारउल्ला : इसलिये यह स्टैच्यूट के मातहत ग्राथोराइज किया गया है ग्रौर वह स्टैच्यूट बहुत क्लियर है कि वह दो ही ग्रादमियों को इजाज़त देता है ग्राथोराइजेशन इशू करने के लिये। उसमें एक कमिश्नर कहीं का भी हो सकता है इन्कम-टैक्स का या डायरैक्टर ग्राफ इनवैस्टिगेशन। डायरैक्टर ग्राफ इनवैस्टिगेशन ने इस रेड को ग्राथोराइज किया है ग्रौर उस वक्त किया है जब उसने यह यकीन कर लिया कि जो इनफर्मेशन मिली है उसके सही होने की काफी ग्राशा है ग्रौर उम्मीद है। इसलिये प्राइमा-फेसाई वही चीज हो सकती है। ..... *(Interruptions)* .

श्री ग्रनन्त प्रसाद शर्मा : ग्रौर मुहं काला करके लौट ग्राये।

श्री जुल्फिकार उल्ला : प्राइमा-फेसाई जब तक वे इस कनक्लूजन पर न पहुंच जाएं कि जो खबर दी गई है, वह सही हो सकती है, उस वक्त तक ग्राथोराइज करने का ग्रधिकार भी नहीं है। जब उसने यकीन कर लिया कि जो इत्तिला मिली है, सही मालूम होती है, तब उसने ग्राथोराइज किया। यह जरूरी नहीं है कि जो इत्तिला मिले वह सौ फीसदी सही हो। बहुत से ऐसे रेड हुए हैं जहां इत्तिला बहुत थोड़ी थी, लेकिन सरमाया कहीं ज्यादा मिला है ग्रौर बहुत से रेड ऐसे भी हुए हैं कि जहां इत्तिला सही मालूम होती थी, लेकिन कुछ नहीं मिला। लेकिन इसके मायने यह नहीं कि इत्तिला पर भरोसा न किया जाए। यदि भरोसा नहीं किया जाए तो फिर एक्ट का प्रोविज़न बेकार हो जायगा। यह एक्ट का ही प्रोविज़न है। .. *(Interruptions)* चुनांचे इसीलिये उस पर एक ग्रफसर ने जो गवर्नमेंट का ग्रफसर है ग्रौर बड़ा रिसपान्सिबल ग्रफसर है, उसने यह देखा कि यहां पर जो उसे इनफर्मेशन मिली है यह सही मालूम होती है तो उसने उसको जाकर ग्राथोराइज कर दिया ग्रपने ग्रसिसटैंटस को जिसमें कई ग्रफसर थे कि तुम जाकर देखो ग्रौर तलाशी लो। उसने भी ग्राथोराइज महज इसलिये किया चूंकि कहा यह गया था कि मेटल डिटैक्टर बरी किया गया है, जमीन को खोदा भी नहीं गया।

मेरे दोस्त ने एक बात ग्रौर कही है कि वहां जो पंचनामे पर जिस गवाह ने दस्तखत किये हैं उसने कहा कि कोई मोटर नहीं ग्राई। मेरे दोस्त को पूरी जानकारी नहीं है मामलात की? मोटर उस वक्त नहीं ग्राई जब तलाशी हो रही थी। जब ग्राथोराइजेशन इशू हुई, उससे बहुत पहले मोटर वहां खड़ी थी ग्रौर जब मोटर जा चुकी थी तो उस ग्रफसर को शुबहा हुग्रा ग्रौर उसने कहा कि वैल्यूएबल्स उसमें गये हैं। तब उसने कहा कि सारे वैल्यूएबल्स तो नहीं जा सकते।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: The Minister is telling utter falsehood Absolutely baseless Uttar falsehood! (Inter7-Uptions).

श्री जुल्फिकारउल्ला : लिहाजा जब मोटर वहां से चली गई तो पंचनामे के लिये जो गवाह की बात है वे तो वहां बहुत बाद में पहुंचे हैं.. *(Interruptions)* वे तो वहां तब पहुंचे हैं जब मिसेज इन्दिरा गान्धी की फैमिली के लोग वहां ग्रा गये थे क्योंकि उन्होंने *(Interruptions)*. इससे पहले कोई तलाशी नहीं ली जा सकी। इसलिये दोस्तों को यह गलतफहमी दूर कर देनी चाहिये। जहां तक इसमें कहा गया है कि .. *(Interruptions)*

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मैं सवाल पूछना चाहता हूं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : आडर प्लीज, पहले जवाब सुन लीजिये । तब सवाल करें ।

श्री जुल्फिकारउल्ला : जहां तक यह कहा गया है कि पोलिटिकल बदला लेने की भावना थी . . . *(Interruptions)* गवर्नमेंन्ट पिक्चर में नहीं आती । गवर्नमेंट और गवर्नमेंन्ट के अफसर को एक नहीं बताया जा सकता . . . . . *(Interruptions)* इसलिये कि दोनों की अलैहदा अलैहदा आईडैन्टिटी है ।

श्री प्रणब मुकर्जी : यह बताएं कि दोनों में क्या डिफरेंस है ? . . . *(Interruptions)*

श्री जुल्फिकारउल्ला : स्टैच्यूट में गर्वनमेन्ट अफसर को आथारिटी मिली है और . . *(Interruptions)* इसलिये मैं यह दर्खास्त करूंगा कि इन तमाम . . . *(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Please ask him to explain the difference between "Government" and "Government officers".

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: I am on a point of order.

श्री जुल्फिकारउल्ला : . . . *(Interruptions)* मैं इन दोस्तों को याद दिलाना चाहता हूं कि जो . . . .

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: I am on a point of order.

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : इस तरह से सवाल आप नहीं पूछ सकते हैं । कृपया बैठिए ।

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI; I want to raise a point of order and I want your ruling. The honourable Minister of State for Finance has made.

SHRI SUNDER SINGH BHAN-DARI (Uttar Pradesh); Under what rule are you raising your point of order?

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: I am telling you, in the Lok Sabha recently the speaker gave a ruling that whenever a point of order is raised, one should cite the particular rule under which it is raised. In Rajya Sabha, I say with all the force and empahsis at *my* command, there is a convention that whenever on gets up and raises a point of order, one does not have to quote the rule. This has been the convention and in fact that is how the honourable Member goes on raising points of order day in and day out. And today suddenly he is asking 'imder what rule'?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): Mr. Dwi-vedi, please come to your point of order. Please be brief.

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI; The honourable Minister of State for Finance has made a very serious statement; the point he made is very serious. He has tried to make a distinction between Government and officers. Under the Parliamentary system of Government the Minister is answerable for his department. Beginning with the Minister down to an ordinary cha-prasi, he is answerable for the actions of the Government. Government does not mean you. You will disappear but they will continue and they will be Government, they are the Government ..

SHRI ZULFIQUARLLAH: Thafc is not what I said....

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI; I want your ruling on my point, Sir,—whether it is open to the Government, to the Minister, to say that he is responsible only for bis own actions while he is not answerable to this House for the actions of his officers. As I have understood the law is very clean, the convention is very clear. You must give a ruling—under _the system of accountability of the Government to Parlia-

ment and through Parliament to the people, the Government is responsible—Government means the totality of the Government, not the Minister. Therefore, this distinction between Minister and the Government is very dangerous and you must give your ruling whether it is open to the Minister to make this kind of fallacious, illegal, unconstitutional statements and get away with them. Therefore, please give your ruling here and now.

SHRI A. R. ANTULAY (Mahara-

श्री ज़ुल्फ़िक़ारउल्ला : मैंने कहीं भी यह नहीं कहा गवर्नमेन्ट रेस्पांसिब्ल नहीं है अपने आफिसर्स के ऐक्शन के बारे में मैंने सिर्फ यह कहा है कि आफिसर्स के अख्तियारात दूसरे हैं, गवर्नमेंन्ट के अख्तियारात दूसरे हैं. . . *(Interrptions)* और यह स्टेट्यूट पर्टिकुलरली इम्पावर करता है आफिसर को । मैंने यह नहीं कहा कि गवर्नमेंन्ट जवाबदेह नहीं है . . . . *(Interrptions)* . . . और अगर आफिसर्स कोई ग़लती करेंगे तो अपने ऐक्शन के सिलसिले में उनको पनिशमेंट भी मिलेगी । उनका इंवेस्टिगेशन होगा और अगर ग़लती होगी तो कार्रवाई होगी, लेकिन यह कहना कि गवर्नमेंन्ट को . . . .

श्री कल्प नाथ राय : वित्त मंत्री महोदय जवाब दें ।

श्री ज़ुल्फ़िक़ारउल्ला : जवाब तो हो गया । अब क्या जवाब आप चाहते हैं ।

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: Sir, I need your protection.

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : जो पौइन्ट आपने रेज़ किया मंत्री जी ने साफ कर दिया । उन्होंने गवर्नमेंन्ट के या उसके कर्मचारियों की जिम्मेदारी से अपने को अलग नहीं किया; उन्होंने स्पष्ट कर दिया ।

shtra 1, Sir, I want to ask . . .

THE VICE-CHAIRMAN fSHRI SHYAM LAL YADAV): Are you speakinfi on the point of order or are you going to put a question?

SHRI A. R. ANTULAY: I want to put a question to the honourable Minister . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): No, no.

SHRI A. R. ANTULAY: Please listen to my submission . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): No, that is not possible at this stage.

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI; Sir, the Minister has made the confusion worse confounded ____

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): Now Mr. A. P. Sharma

SHRI PRAKASH MEHROTRA: Sir, he has not answered my questions.

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : दूसरे सदस्य प्रश्न पूछेंगे तो उस में जवाब आ जाएगा ।

(Interruptions)

SHRI KALP NATH RAI: Let Shri Charan Singh reply to the questions. Chaudhury Charan Sing should reply to the question ___

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): That point has been clarified already.

SHRI A. R. ANTULAY: Mr. Vice-Chairman, I was present there ....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): May be. But I am sorry. Please sit down. Let me say a word (Interruptions). I will have to call those members who have given their names. Shri A.P. Sharma.

SHRI AN ANT PRASAD SHARMA: He only wanted to get one point clarified.

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव): प्रकाश महरोत्रा जी ने जो सवाल पूछे हैं उनका जवाब जो उनको देना था वह उन्होंने दे दिया।

SHRI KALP NATH RAI: Let Shri Charan Singh reply because it was he who made the statement in the Lok Sabha. Why has he come?

SHRI YOGENDRA MAKWANA: I am on a point of order. In the beginning we insisted that Shri Charan Singh should reply . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): That point has already been clarified . . . *(Interruptions).*

श्री कल्प नाथ राय : हमारी पार्टी के अध्यक्ष के घर की सर्च हो यह क्या मजाक है। यह किस की हिम्मत है। अगर देश में इन्दिरा गांधी ईमानदार नहीं हैं तो और कोई भी ईमानदार नहीं है और अगर वह बेईमान हैं तो जनता पार्टी भी बेईमान है, भ्रष्टाचारी है, पापाचारी है। वह इस का जवाब दें।

SHRI YOGENDRA MAKWANA: We insisted that ______ . (Interruptions) .

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव): कृपया आप अपना स्थान ग्रहण करें। मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि जो यहां व्यवस्था का प्रश्न उठा था उसके संबंध में मैंने अपनी राय सदन के सामने दे दी है। अब इस पर बहस जारी होगी। कई माननीय सदस्यों के नाम है और बहुत से प्रश्न उठे हैं। कुछ का जवाब दिया गया है, कुछ का नहीं दिया गया होगा। लेकिन और बाकी सदस्य अब अपने प्रश्न पूछ सकते हैं।

एक माननीय सदस्य : गंभीर प्रश्न है।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : इसी लिये मैं चाहता हूं कि मेरे पास लम्बी सूची है। उसके लिये आप सहयोग दें और माननीय सदस्य अपने-अपने प्रश्न पूछें।

SHRI YOGENDRA MAKWANA: My second point is that Shri Mehro-tra's points have not been replied to

THE VICE-CHAIRMAN (SHRs SHYAM LAL YADAV): That point also has been clarified.

SHRI KALP NATH RAI: Shri Charan Singh should reply. He should reply. He made the statement in the Lok Sabha. Because of his statement, we are all affected very badly. Why don't you give a directive to him to reply to the question? Please give him the directive to reply. His statement was highly reprehensible. Therefore, let him reply. He has to reply.

SHRI PRAKASH MEHROTRA; My point has not been answered.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: The junior Minister is in competent to reply to this question.... *(Interruptions).*

श्री प्रकाश महरोत्रा : उन्होंने जानबूझ कर मेरे प्रश्नों का जवाब नहीं दिया इस ओर मैं आपका ध्यान खींचना चाहता हूं।

SHRI YOGENDRA MAKWANA: I seek your protection. Should I not ask for your protection? The Minister has replied to a single point he has raised.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV): Other can ask the same points. I call upon Shri A. P. Sharma.

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : उपसभाध्यक्ष जी, मुझे तो सब से पहले इस बहस को देखकर इस बात पर आश्चर्य होता है और दुख भी होता है कि आप की रूलिंग के बाद चौधरी साहब यहां बैठे हुए हैं और आप ने यह कहा भी .... *(Interruptions)*.

You are not the Chairman. The Chairman has given the ruling . . . *(Interruptions)* रूलिंग दी है चेयरमैन साहब ने। आप उनसे पूछिये I *(Interruptions)*

I have never seen such a Minister who gets up for everything and interrupts. A member can do it, but not a Minister. A minister never interrupts anybody.

[श्री अनन्त प्रसाद शर्मा]

आप कैसे मिनिस्टर हैं । कैसे मिनिस्टर बन गये । सभापति जी, मैं यह कह रहा था कि इस बहस को देख कर मुझे आश्चर्य भी होता है और दुख भी होता है कि चौधरी साहब यहां बैठे हैं और आप ने व्यवस्था दी कि सरकार जैसा उचित समझे करे । यह साफ जाहिर था इस से कि आप का इशारा था कि चौधरी साहब ही इस का जवाब दें । चौधरी साहब तो मुझे ऐसे नजर आते हैं जैसे एक आदमी अपने को बड़ा ईमानदार, अपने को बड़ा धर्मात्मा समझता है और उस सभा में बैठा हुआ है जहां घोर अन्याय हो रहा है, गलत बातें हो रही हैं, झूठी बातें हो रही हैं लेकिन उसका मुंह खुलता नहीं है । ऐसी स्थिति इस वक्त चौधरी साहब की है । मैं यह कहना चाहता हूं कि यह बहस क्यों छेड़ी गई । मेरे भाई डा० रामकृपाल सिंह जो इस सदन के सदस्य हैं और राज्य मंत्री भी हैं, उन्होंने बतलाया कि चूकि एक प्रश्न का उत्तर यहां पर दिया गया था उससे यह बहस उठी है और बहस हो रही है । मैं कहना चाहता हूं कि लोक सभा में इस संबंध में बातें हुई थीं और उस वक्त चौधरी साहब ने बयान दिया था तो आप उसको कैसे अलग कर सकते हैं । चौधरी साहब ने यह भी कहा लोक सभा में कि हम उन अपफसरों के काम में संतुष्ट नहीं हैं । चौधरी साहब कब संतुष्ट होते ? यह संतुष्ट तब होते जब अफसर झूठी और गलत रिपोर्ट इन्दिरा गांधी के खिलाफ देते लेकिन दे नहीं सकते थे । अभी मिनिस्टर आफ स्टेट ने कहा कि वहां पर पुलिस कायम थी । अखबारों में भी आया कि 100 जवान वहां पर चारों तरफ खड़े थे । एक तरफ तो 100 जवान खड़े थे और दूसरी इन्वेश्टीगेशन डिपार्टमेंट के अफसर थी और तीसरी तरफ मैटल डिटेक्टर था । यह सब करने के बाद पंचनामा लिखा गया । दूसरे धर्मराज जो यहां बैठे हुए हैं राज्य मंत्री, वह यह कहते है कि पंचनामा कब लिखा गया । मैं आपको बताता हूं कि यह पंचनामा लिखा गया । मैं यह पूछना चाहता हूं कि जब वहां 100 जवान खड़े थे, तुम्हारे अफसर वहां खड़े थे तो गाड़ी वहां से कैसे चली गई और अगर गई तो वहां से कहां गई ? क्या वे अफसर उसको देख नहीं सके और उसका पीछा नहीं कर सके । यह एक फार्म हाऊस है कोई मकान नहीं है । वहां आलू पैदा हो रहा है, सब्जी पैदा हो रही है । क्या उस फार्म हाऊस के अंदर खुदाई नहीं हो सकती थी । मैं पूछना चाहता हूं यह सवाल कैसे पैदा हुआ । क्या यह सवाल इसलिये पैदा हुआ कि एक आदमी ने कहीं जा कर बयान दिया कि यहां कुछ है । इन्होंने जवाब दिया है कि और जो कुछ हमारे पास इन्फारमेशन थी उसको हम डिस्क्लोज नहीं कर सकते । आप डिस्क्लोज कैसे करते आप तो नीचे से लेकर ऊपर तक झूठ और बेईमानी से आगे बढ़े हैं । सच बात को आप अपनी पाकेट में रख सकते हैं पालियामेंट के सत्र में आप नहीं कह सकते ।

आप 132 इन्कम टैक्स एक्ट का हवाला देते हैं । जमा जमा सात रोज तो हुए आपको मंत्री बने हुए और यहां आकर इन्कम टैक्स एक्ट का हवाला देते हैं । सारा सदन जानता है कि इन्कम टैक्स एक्ट के अंदर क्या है और उसके तहत किस को अधिकार है इन्वेस्टीगेशन करने का । क्या आप यह समझते हैं कि इधर के लोगों को कुछ मालूम नहीं है । अगर पता है तो फिर उसको बतलाने की क्या जरुरत थी । उसमें यह लिखा है कि उन अफसरों को इत्मीनान होना चाहिये । मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आपके इस बात का इत्मीनान दिलाने के लिये उनको इत्मीनान था कि यहां पर इस तरह की चीजें हो सकती हैं आपके पास क्या सबूत थे ? आप तो सच बोलने के लिये तैयार नहीं हैं । आप सच से दूर रहना चाहते हैं । लम्बी चौड़ी बातें करना चाहते हैं । जब से यह सरकार बनी है तब से इसका रवैया यही रहा है । आपके

इन दो वर्षों के कारनामें इस देश के अंदर ही नहीं बल्कि सारी दुनिया के अंदर गूंज रहे हैं। आप पहले आईने में अपनी शक्ल तो देखिये . . .

(Interruptions)

" SHRI ZULFIQUARULLAH: Sir, is this all relevant? This is all irrelevant.

SHRI PRANAB MUKHERJEE; Let him know how to hehave.

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मैं उनको कह रहा हूं कि जरा अपनी शक्ल आईने में देखिये कि कैसी शक्ल है।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : आप प्रश्न पूछिये ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मैं यह चाहता हूं कि चूंकि चौधरी साहब वर्तमान वित्त मंत्री हैं इसलिये वह इनका जवाब दें। यह यह सवाल कोई व्यक्ति विशेष का नहीं है देश के उस प्रधान मंत्री का है ...

(Interruptions)

यह एक ऐसे व्यक्ति से संबंधित मामला है जो इस देश का प्रधान मंत्री रहा है ....

(Interruptions)

कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री **(श्री भानु प्रताप सिंह)** : श्रीमन् प्रधान मंत्री को भी कानून के अन्दर ही काम करते हुए रहना चाहिए ...

(Interruptions)

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : आप कुछ पार्लियामेन्ट्री डिसेन्सी सीखिये....

(Interruption)

उपसभाध्यक्ष (श्री श्यामलाल यादव) : आप सिर्फ क्लेरिफिकेशन पूछिये ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : श्रीमन् ये लोग बीच में इन्ट्रप्शनन्स करते जा रहे हैं।

श्री जुलिफकारउल्ला : आप इस तरह से इररिलवेन्ट बातें क्यों कर रहें हैं ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : श्रीमन् इन लोगों को पार्लियामन्ट्री डिसेन्सी मालूम होनी चाहिए .... ये लोग तो कोटा सिस्टम से मिनिस्टर बन गये। मिनिस्ट्री चलाना इन्होने सीखा नहीं है और न ही इनको इसकी आदत है, लेकिन फिर भी बार बार बीच में खड़े हो रहे हैं।

श्रीमन्, मैं यह कहना चाहता हूं कि चौधरी चरण सिंह जी यहां पर बैठे हुए हैं। ये सारे सवाल उनसे संबंध रखते हैं। इसी तरह का बयान उन्होने लोक सभा में भी दिया है। इन घटनाओं से संबंधित जो बयान उन्होने लोक सभा में दिया है उसको मैं यहां पढ़ कर सुनाना चाहता हूं। उप प्रधानश्रीमन मंत्री तथा वित्त मंत्री... *(Interruptions)* मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि अगर उन अफसरों के इवेस्टिगेशन से इनको संतोष नहीं है, जैसा कि इन्होंने कहा है, तो अपने को संतुष्ट करने के लिये ये क्या करने जा रहे हैं? यह इन लोगों की साजिश है। इनके मिनिस्टर ने अभी बताया कि अफसरों की पावर क्या है। इन्होंने गवर्नमेंन्ट की पावर भी बतलाई। उसके बाद इन्होने बतलाया कि इस काम के लिए अफसर जिम्मेदार हैं। मैं जानना चाहता हूं कि जब अधिकारी श्रीमती इंदिरा गांधी के फार्म हाउस पर तलाशी करने के लिये गये तो क्या इसकी इनको जानकारी नहीं थी और क्या इसकी इत्तिला वित्त मंत्री को नहीं थी ? श्री चरण सिंह यहां पर मौजूद हैं। इन्होंने प्रधान मंत्री के खिलाफ चार्जेज लगाये। इनसे प्रधान मंत्री ने कहा कि आप इन चार्जेज को वापस लो, लेकिन उन्होंने उनको वापस नहीं लिया। इन्होंने यह भी कहा कि इन चार्जेज को चीफ जस्टिस को रेफर करना गलत है। इसके साथ-साथ इन्होंने यह भी कहा कि किसी चीफ जस्टिस को या सिटिंग जज को यह मामला रेफर करना गलत है, लेकिन फिर भी प्रधान मंत्री ने यह काम कर दिया... *(Interruptions)*

[श्री अनन्त प्रसाद शर्मा]

मैं यह बता रहा हूं कि इनकी करनी और कथनी में कितना अन्तर है । मैं चाहता हूं कि उपप्रधान मंत्री श्री चरण सिंह इन सवालों का जवाब दें । इनके पास कौन-से ऐसे कारण थे और कौन-से ऐसे सबूत थे आपके पास, जिससे आपने इस फार्म हाउस की तलाशी लेने का निर्णय किया ? मैं समझता हूं कि प्रधान मंत्री के हुक्म के बगैर या प्रधान मंत्री की राय के बगैर या किसी मिनिस्टर की राय के खिलाफ या गवर्नमेंट की राय के खिलाफ यह तलाशी नहीं हो सकती है । आप लोग अफसरों को बीच में डाल कर अपने को बचाना चाहते हैं । यू वान्ट टू सेव यूअर स्किन । यहां तो खोदा पहाड़ निकली चुहिया वाली बात हुई है । वास्तव में तो चुहिया भी वहां से नहीं निकली है । यह इस गवर्नमेन्ट के लिए शर्म की बात होनी चाहिए । मैं कहना चाहता हूं कि यह काम इस गवर्नमेन्ट का फर्स्ट एण्ड लास्ट एक्शन होना चाहिए । अन्त में मैं यह भी चाहता हूं कि उप-प्रधान मंत्री ही इन बातों का जवाब दें ।

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार) : उप-सभाध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि सरकार यह बताये कि श्रीमती इन्दिरा गांधी की इनकम का टोटल एसेसमेन्ट क्या है और जमीन के रूप में या बैंक में उनके पास कुल कितना धन है ? मैं समझता हूं कि इसका सरकार के पास हिसाब होगा । श्रीमती इंदिरा गांधी के पास देश में या विदेश में कितना धन है, इसका ब्यौरा सरकार बताये । अब दूसरा सवाल मेरा यह है कि पंडित नेहरु के समय में भी यह सवाल पूछा जाता था जब इंदिरा जी उनके साथ घूमने जाती थी, तो हाउस में पूछा जाता था कि उनका खर्चा कहां से आता है । पंडित जी ने जवाब दिया था कि उस खर्चे को मैं वहन करता हूं । रायल्टी का पैसा मेरे पास आता है उसमें से खर्च करता हूं । तो मेरा सवाल यह है कि पंडित जी की किताबों की रायल्टी जो इंदिरा गांधी को आती है वह साल में कितनी आती है ? तीसरा और आखिरी सवाल जो मेरा है वह यह है कि भारत में आप जानते हैं कि धन, सम्पत्ति, सोना, चांदी केवल तिजोरियों में ही नहीं रखते हैं, जमीन के अन्दर भी गाड़ कर रखते हैं । सिनेमा के स्टारों की दीवारों में यह चीज पाई गई है । इसलिये मेरा सवाल यह है कि फार्म हाउस में रेड किया गया तो उसमें यह भी देखा गया कि जमीन के अन्दर कुछ गाड़ा हुआ है या नहीं ? और क्या सरकार इसका पता लगाने की कोशिश करेगी ?

श्री रामानन्द यादव : श्रीमन्, . . .

श्रीमती सरोज खापर्डे : श्रीमन्, मैं इस...

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव): आप कृपया स्थान ग्रहण कीजिये ।

श्री भीष्म नारायण सिंह (बिहार) : श्रीमन्, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । उपसभाध्यक्ष जी, आप देखते ही होंगे कि जब इस तरह का वाद-विवाद होता है तो उसमें माननीय सदस्य प्रश्न करते हैं और मंत्री महोदय की तरफ से उसका उत्तर आता है । फिर जब दूसरे माननीय सदस्य बोलते हैं तो फिर मंत्री महोदय का उत्तर आता है ...

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : हाफ एन आवर में नहीं होता है ।

श्री भीष्म नारायण सिंह : होता है । हर बार जवाब देते हैं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव): नहीं होता है । हाफ एन आवर में जो सदस्य डिसकशन शुरू करता है उसके प्रश्नों का जवाब मंत्री द्वारा होता है ।

बाकी सब माननीय सदस्यों के बोलने के बाद मंत्री जवाब देते हैं ।

श्रीमती सरोज खापर्डे : महोदय, मुझे भी सवाल पूछना है ।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : आपका नाम नहीं है ।

श्री रामानन्द यादव : उपसभाध्यक्ष जी, इस प्राइवेट की बहस के सिलसिले में . . .

श्री जुल्फिकारउल्ला : क्या बोलने वालों के नाम आपके पास हैं ?

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) आप मंत्री हैं तो आपको ऐसा नहीं पूछना चाहिए ; आपको सदन की . . .

SHRI PRANAB MUKHERJEE: "What is this? The Minister should have some decency.

(Interruptions)

श्री रामानन्द यादव : उपसभाध्यक्ष जी, मुझे तो ऐसा लगता है कि जनता पार्टी की सरकार ने यह कसम खा ली है कि इस देश की सबसे बड़ी पार्टी और मैं यह कहूं कि जिसने 30 वर्षों तक इस देश पर शासन किया उस पार्टी की अध्यक्षा श्रीमती इंदिरा गांधी और उसकी पार्टी, जिस श्रीमती गांधी ने देश पर 11 वर्षों तक शासन किया, उसको बदनाम करें किसी तरह से और श्रीमती इंदिरा गांधी के फार्म पर जो रेड हुआ, वह केवल उनके फार्म पर रेड नहीं हुआ बल्कि मैं ऐसा समझता हूं कि वह हमारी पार्टी कांग्रेस (आई) को धूल में मिलाने के लिये, जनता की नजरों से गिराने के लिये और बदनाम करने के लिये एक बहुत बड़ा षड़यंत्र इस जनता पार्टी की सरकार ने किया । उपसभाध्यक्ष जी, मैं पूछना चाहता हूं कि 19-1-79 को जो रेड हुआ तो उस समय हमारे एच० एम० पटेल फाइनेंस मिनिस्टर थे और मुझे मालूम है कि उस वक्त इनकम टैक्स के अधिकारियों को प्रधान मंत्री के निवास स्थान पर बुलाया गया और कहा गया कि चौधरी चरण सिंह को एक और हथियार मिल जायेगा, इस तरह का बयान प्रधान ने दिया है इसलिये आप तुरन्त, तत्काल फार्म पर रेड करें और मैं प्रधान मंत्री के आदेश पर यह रेड कराई गई थी। दूसरी बात जो प्रधान ने बयान दिया है कमीशन के सामने जिसके आधार पर सरकार ने रेड करने का बहाना बनाया वह है या, वह आर० एस० एस० का मैम्बर है और इतना ही आज उसने बयान नहीं दिया है उसने पहले भी कई दफा इस तरह के अनर्गल बयान दिए हैं । मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार इस तरह के व्यक्तियों के बयान देने पर अपने सरकारी-मुलाजिमों को ऐसे व्यक्तियों को जो इंटरनेशनल ख्याति प्राप्त किए हुए हैं उनके घरों पर चोरों जैसे छापा मारने का अधिकार देती हैं ? मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि क्या प्रधान मंत्री के निवास पर इनकमटैक्स के लोगों को आदेश नहीं दिए गए थे कि इंदिरा गांधी के फार्म पर रेड करें ? मैं दूसरा सवाल यह पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार इस बात से इन्कार करती है कि सेना के जवान भी उस रेड के वक्त फार्म के एक मील के रेडियस पर, सी० आर० पी० के जवान और सी० बी० आई० के अफसर वहां मौजूद थे। इनकमटैक्स के सैकड़ों अधिकारी थे उनके डाइरेक्टर तो थे ही क्यों कि मैं स्वंय वहां उपस्थित था । इतना ही नहीं वहां पर एक हैलीकाप्टर था जो दो दफा चारों तरफ घूमा और बीच बीच में घूमता था मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि क्या वहां पर एक मिलिटरी के अधिकारी को मैटल डिटेक्टर दे कर तैनात नहीं किया गया था ? वह वहां पर जैसे आर्म ले कर मिलिटरी वाले चलते हैं वैसे वहां पर उपस्थित था, क्या यह बात सही नहीं है । पौधों से लेकर फलों तक जो वहां पर थे जैसे आम के पेड़ , पपीते के पेड़, नींबू के पेड़, गेंहूं, जौ और मटर को तो

[श्री रामानन्द यादव]

छोड़ दीजिए जो उनके चार एकड़ के फार्म में हैं, फार्म के कोने-कोने में मिलीटरी का जवान मैटल डिटेक्टर लेकर लगातार दो घंटों तक जैसे आर्मी के जवान हथियार ले कर चलते हैं चेंज किया जा रहा था, देखा जा रहा था। कभी वह पेड़ के नीचे मैटल डिटेक्टर लगाकर देखता था कि कहीं कुछ छिपा तो नहीं है क्या सरकार इस बात से इंकार करती है? वहां इतना रेड करने के बावजूद भी जो वहां पर इन्वेंटरी बनी उसमें अधिकारियों ने यह लिखा कि नहीं नहीं नहीं, कुछ नहीं। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि मुझे उस अधिकारी का विभाग बता दें, यदि नाम बता दें तो ठीक है कि किस अधिकारी ने यह रिपोर्ट लिख कर दी कि एक आदमी मोटर टेक्सी पर एक ट्रंक लेकर भागते हुए दिखाई पड़ा, यह सरासर झूठ है। मैं आपसे यह आशा नहीं करता हूं। मैं चौधरी चरण सिंह को पोलिटकली आनेस्ट मानता हूं, उनके मामले में मुझे पूरी जानकारी है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मैं भी रहा हूं। इस तरह से डिसआनेस्ट बयान देना कि भागते हुए आदमी को देखा, मैं चाहूंगा कि उस अधिकारी का नाम बताएं कि वह कौन अधिकारी है जिसने यह बयान दिया। अंतिम बात मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार के मुलाजिमों ने भागते हुए आदमी को छोड़ दिया तो क्या चौधरी साहब की सरकार की इस से नपुंसकता मालूम नहीं होती जहां पर किसी सी० आर० पी० के जवान लगे हुए थे, सी० बी० आई० के आदमी इनकम टैक्स के अधिकारी...

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: A pack of impotents.

श्री रामानन्द यादव : सी० आई० डी० के लोग भरे पड़े हैं। एक व्यक्ति ट्रंक लेकर भाग गया जबकि इतना इलेबोरेट अरेंजमेंट था। चारों विंगों के सैनिक बुलाये गये थे।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्यामलाल यादव) : कृपया संक्षेप में कहिए।

श्री रामानन्द यादव : पहले यह कहा गया कि इंदिरा जी ने काफी रुपया विदेशों में भेज दिया है। फिर एक हजार से ऊपर के नोटों को डिमोनेटाईज किया। फिर कहा गया कि फारेन कन्ट्रीज में इंदिरा जी ने करोड़ों रुपये जमा कर रखे थे और इन महाशय ने जांच करायी। मैं समझता हूं कि लाखों रुपए इन्होंने छानबीन में खर्च किया कि कहीं इंदिरा जी के नाम पर बैंक में कोई खाता तो नहीं है। मगर इन्हें मिला कुछ नहीं। ये लोग अपना मुंह काला कर बैठ गये। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने यह षड़यंत्र नहीं किया था कि एक बक्से में कुछ नोट रख दिये जायें और उसको उनके फार्म में गाड़कर इसी तरह का बयान दिलाया जाये कि रेड करवाकर निकलवाया है और इस प्रकार एक झूठा मुकदमा इंदिरा गांधी के ऊपर चलाया जाए। ताकि उनकी और उनकी पार्टी कांग्रेस (आई) की प्रतिष्ठा लोगों की नजरों में गिरे ...

उपसभाध्यक्ष (श्री श्यामलाल यादव) : आप कृपया समाप्त करिए।

श्री रामानन्द यादव : मैं समझता हूं कि किसी भी देश में इतिहास में ऐसा नहीं हुआ है कि कि प्रधान मंत्री के घर पर चोर की तरह सरकार छापा मारती हो ...

उपसभाध्यक्ष (श्री श्यामलाल यादव) : आप अब समाप्त करिए।

श्री रामानन्द यादव : श्रीमन् चोर कम पढ़ा लिखा होता है लेकिन खेतों में अपने धन को नहीं छिपाता है, दूसरी जगह छिपाता है, लेकिन यह नपुंसक और बुद्धिहीन लोग यह भी नहीं समझे ... (***Interruptions***) कि इंदिरा गांधी अपने खेतों में धन को छिपायेंगी या गाड़ेंगी। क्या इस तरह से यह नहीं मालूम होता है कि आप अक्षम है। इस देश पर शासन नहीं कर सकते हैं क्या यह इससे साबित नहीं होता है।

SHRI A. R. ANTULAY: Mr. Vice-Chairman since the hon. Deputy-Prime Minister is here, I would like to raise certain points for his consideration. I know and I realise . . .

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN); Put the question please.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Please shut up. Don't show your ugly face . . . *(Interruptions)* There should be a limit to it.

SHRI KALP NATH RAI: Shut up

SHRI ANANT PRASAD SHARMA: 9Tlf OTfft ^T%<T for tr# if eft f' |

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHYAM LAL YADAV)

SHRI DEVENDRA NATH DWI-VEDI: He is a joker among the tm-potents.

(Interruptions)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Is he drunk?

SHRI A. R. ANTULAY: Mr. Vice-Chairman, only realising the pitiable plight in this respect of the hon. Deputy Prime Minister because he has to carry and own somebody else's baby on his behalf, I would only want him to consider and invoke his sense of justice. I am a responsible Member of this House. I was there at the farm on that day. I was there before . . .

SHRI SUNDER SINGH BHAN-DARI: इन सबको खबर कैसे लगी कि इन्वेस्टीगेशन हुआ और अपने यहां के आधा दर्जन मेम्बर वहां पहुंच गये।

SHRI A. R. ANTULAY: Mr. Vice-Chairman, I really do not know why this RSS friend is interfering. I do not think the informant was RSS and in that case every top RSS leader has to take it as if it is his own baby.

Mr. Vice-Chairman, I was there and when I reached there, even before not only the raid was conducted but before the top officials reached on the spot, smaller officers were there. There were truckloads of S.RP. reserve force and all types of police force. They might have numbered more than a few hundred.

श्री रामानन्द यादव : केवल नेवी नहीं थी।

SHRI A. R. ANTULAY; For God's sake, do not interrupt. Now, they were there and I also thought why they should be there in such big number. When I reached the spot, the officers came. Half an hour thereafter, the metal detector came. A person was carrying that. He was covering the space, both within the bungalow which is under construction—which is an open farm-house and which is not fully constructed yet—and also on the farm, including the trees, the trunks, the branches, the fruits and so on. It was as if they were told—whatever may be the information; I am not, at the moment, on the point whether it was right or wrong—that the wealth was hidden at certain places. An intensive raid was being carried out in certain parts both on the farm and , outside. If, suppose, we assume that something was being transported, as is now being claimed, a truckload of something in a car or whatever it was, there was no occasion for carrying out the raid itself. This is the first point.

Secondly, it was said that digging operations were going on there. They are going on there even now because the farm-house itself is under construction and the digging operations will go on till the farm-house remains under construction. Therefore, the conduction of digging operationg in regard to the construction of the farmhouse, which is under construction, which is not fully constructed yet and which is open on all fronts and sides with no doors, windows and so on, is

rShri A. R. Antulay]

no evidence that something was being dug out and that was being done even at the time when the officers carried out the search there. Assuming for the sake of argument that something was being transported, have the police force and the authorities of law become so 'impotent', to use the words of the hon. Deputy Prime Minister which he used in regard to this very Government, as not to chase it when hundreds of policemen were there? Don't you have a record as to the time they reached there, who asked them to go there, were they there on an excursion or on a holiday? If they were there on duty, there must be a record as to the time they reached there. They reached there much before any of the officers reached there. Obviously so. This was because, if something was being transported, they were there to prevent it, as if. Therefore,. Mr. Vice-Chairman, the real fact that is now revealed is this. I am not blaming the Deputy Prime Minister for this. This was carried out when he was out. After this raid was carried out, he came in. Therefore, nobody can say that he gave instructions. But he is going to believe Mr. Vice-Chairman, that the raid on the farm-house of the ex-Prime Minister of India was carried out at the instance of the officers? Is the hon. Minister of State serious, honest and truthful when he is stating here that this was done under the Income-tax law? Yes. It was done under the Income-tax law. But was it not done at the instance of somebody in the Government, in the Ministry, Mr. M. M. Patel, the Prime Minister, the Prime Minister's house? Can anybody say so? Can anybody say that this was not done at the instance of somebody in the Government? If this has been done so, I think, the hon. Minister of State is a poor man in the dark.

SHRI ANANT PRASAD SHARMA: Pity him.

SHRI A. R. ANTULAY: Perhaps, they do not think he is capable of running the administration. Therefore, he is there as a poor clerk. He does not know anything. Therefore, it is not honest for him to come here and say with all the responsibility, that this thing must have happened like this and he is directly in charge of this thing. Nothing can be more redicuious than this claim. Therefore Mr. Vice-Chairman, in the interest of truth, I would request the Deputy Prime Minister who is the Finance Minister to do one thing. Appoint a Committee of the House to go into the fact as to on receipt of the information who ordered the raid to be carried out because the prestige and dignit of a citizen is not to be played with or played against like this, more so, if the citizen happens to be the ex-Prime Minister and the President of the only biggest opposition party. This is part (a) of the question. Part (b) of the question is, the Committee should also see, when the raid was conducted whether there was slackness, on the part of hundreds of policemen or if the officers were there who saw the trunk being carried out, they could not have alerted the police, which was there within a distance of three to four furlongs^ to chase it. And in spite of that if that could not have been chased, I am just making a very responsible statement that this is misleading the House. I am not directly saying that Chaudhry Charan Singh has misled the House. No, because he might have said whatever was brought to him by the officers and these officers might have been told either by the Prime Minister or the then Finance Minister, to put this thing to save their skin. But there is somebody higher up in the political sphere and political heirarchy of this Government who is responsible for all this bungling. And whosoever is responsible, Mr. Vice-Chairman, should be brought to book. Therefore, I would say that this thing should not be left here. It is a matter of breach of privilege. It is a matter of contempt of the House that this House

7.00 P.M.

h3S been misled by this Minister of State. Either he should say that he ha# said whatever has been given to him by way of a brief and he has spoken from the brief or he should say that h_e has spoken from his knowledge. And it could not have been from hi_3 knowledge. Therefore, I will implore that this matter should be taken with the utmost seriousness and gravity which it demands. We cannot just play with the life, liberty, prestige and dignity of any individual citizen of this great country of ours, much less the ex-Prime Minister of thi_s country. And I have done.

श्रीमती सरोज खापर्डे : माननीय सदस्य ने यह पूछा था कि . .

(*Interruptions*)

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : श्राप बैठिए तो।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: As the Deputy Prime Minister and Finance Minister has left and he has not replied to the questions, we are walkig out in protest.

SHRI AN ANT PRASAD SHARMA: It is a matter of shame, shame. *(At this stage sovie hon. Members left (the Chamber).*

श्री शिव चन्द्र झा : जो सवाल पूछे हैं उनका जवाब दीजिए।

श्री जुल्फिकारउल्ला : सर, श्रानरेबुल मैम्बर्स ने मुख्तलिफ किस्म की बातें कहीं हैं। ऐसा मालूम होता है कि श्रापोजिशन मेम्बर्स को जनता फोबिया हो गया है यानी, जो भी जनता सरकार काम करती है वह उनके खिलाफ, उनका पोलिटिकल फ्यूचर बिगाड़ने के लिए किया गया है ; ऐसी बात नहीं है।

(*Interruptions*)

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : कई सदस्यों ने सवाल पूछे हैं।

श्री जुलफिकारउल्ला : मैं जवाब दे रहा हूं।

श्री सुन्दर सिंह भण्डारी : जैसे सवाल पूछे गए हैं वैसा जवाब भी हो गया।

उपसभाध्यक्ष (श्री श्याम लाल यादव) : उनको जवाब देने दीजिए।

श्री जुलफिकारउल्ला : यह सवाल किया गया कि जब मोटर वहां खड़ी थी सैकड़ों पुलिस वहां मौजूद थी, यह बिलकुल गलत है। मोटर के बारे में मैंने पहले भी कहा है श्रपने जवाब में कि वह पहले जा चुकी थी श्रौर उस वक्त वहां कोई पुलिस वगैरह थी ही नहीं। फिर यह कहा गया है कि मेटल डिटेक्टर यूज किया गया। वह पहले किए गए सवाल के जवाब में भी है श्रौर जो यहां डिसकशन मांगा गया है उसमें भी यह चीज उठी थी। इसी किस्म के सवालात किए गए हैं, कोई ऐसा खास सवाल नहीं है कि जिसको कवर नहीं किया गया है। बहरहाल मैं सभी बातों का जवाब देने को तैयार हूं श्रौर वह यह है कि जब कभी यह नहीं मालूम होता कि छिपा हुश्रा रुपया कहां है तो हमारे श्राफिसरों को श्राख्तियार दिया गया है, श्रौर यह श्रख्तियार श्राज नहीं दिया गया है, जो 30 साल तक गवर्मेंट में रहे हैं उन्होंने वे श्रख्तियार दिए थे। श्रौर इमरजेंसी के जमाने में श्राप को मालूम होगा कि श्राज जितने रेड्स हुए हैं उस से बीस गुने ज्यादा रेड्स हुए हैं। श्राज यह जरूर हुश्रा है कि उस वक्त बड़े श्रौर छोटे में फर्क किया जाता था, श्राज बड़े श्रौर छोटे में कोई फर्क नहीं किया जाता है।श्रगर किसी के भी भी खिलाफ प्राइमा फेसी केस है तो उसके खिलाफ ऐक्शन लिया जाता है। उसको हिन्दुस्तान का सिटीजन ही समझा जाता है छोटा हो या बड़ा श्रौर उस के वहीं श्रख्तियारात श्रौर हकूक श्रौर जिम्मेदारियां होती हैं जो कि दूसरों की हैं। ऐसा नहीं है कि उन की जिम्मेदारियां मुख्तलिफ हों श्रौर उन को रुपया रख लेने का हक हो श्रौर वह दूसरों से ऊपर समझे जाते हों। इन तमाम बातों का लिहाज किसी के लिये नहीं रखा जाता। वह लोग सिर्फ चाहते यह थे कि उन के लिये दूसरे किस्म का बर्ताव किया जाय। यह रेड तो डिप्टी प्राइम मिनिस्टर साहब के श्राने